देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 49 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
गांधी परिवार का जुड़ाव

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 22 मई 2024

मौसम अधिकतम 34.0° न्यूनतम 25.0°

72987.03

2 रूस ने किया 29 ड्रोनों से हमला

7 उम्र पर नहीं मिलता कोई डिस्काउंट

मेरी विरासत भी आप हैं और मेरे वारिस भी आप

केजरीवाल के आरोप के बाद महाराजगंज की रैली में प्रधानमंत्री ने दिया जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। बीते कई दिनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर बहस छिड़ी हुई थी। जिसके बाद आज पीएम मोदी ने इस पर टिप्पणी की है। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी आज बिहार के महाराजगंज में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा– मेरी अपनी कोई विरासत नहीं है, मेरी विरासत भी आप हैं और मेरे वारिस भी आप हैं। इसलिए मुझे आपका और आपके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाना है। उन्होंने कहा– मैं दंड संहिता की जगह न्याय संहिता लेकर आया हूं, अब देश को लूटने वालों का बचना मुश्किल हो जाएगा।

पीएम ने कहा– 'इंडी गठबंधन का मंच, राजनीतिक मंच नहीं, लाखों–करोड़ के घोटालेबाजों का सम्मेलन लगता है। इनके मंच पर करीब 20 लाख करोड़ रुपये के घोटालेबाज एक साथ बैठते हैं। जब ये इकट्ठा होते हैं, तब इनमें तीन बुराइयां साफ नजर आती हैं–घोर कम्युनल हैं। घोर जातिवादी हैं। घोर परिवारवादी हैं। प्रधानमंत्री मंगलवार को महाराजगंज में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे है।

बीते कुछ दिनों पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ये मुद्दा उठाते हुए कहा था कि अगर भाजपा की सरकार बनी तो पीएम नरेंद्र मोदी बीच में ही नेतृत्व को छोड़ देंगे और अमित शाह को कमान शौप सकते हैं। इस मुद्दे को बढ़ता देख ऐसा माना जा रहा है कि आज प्रधानमंत्री मोदी ने बिना किसी का नाम लिए इन सवालों का ही जवाब दे दिया है।

प्रधानमंत्री ने इस रैली में आए लोगों से अपील की कि आप लोग गांव–गांव जाएं और लोगों से कहें कि हम मोदी की तरफ से आए हैं। उन्हें बताएं कि कैसे एनडीए की सरकार फिर से बनी तो उन्हें आवास मिलेंगे। ये आवास घर की महिला मुखिया के नाम पर होंगे। हमारी बहनें अब ड्रोन पायलट बनेंगी और वे ड्रोन से खेती करके पायलट बनें, हमने ऐसी योजना बनाई है। हमारी गारंटी है कि तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाना है। पीएम ने आगे कहा कि इंडी गठबंधन का मंच, राजनीतिक मंच नहीं, लाखों–करोड़ के घोटालेबाजों का सम्मेलन लगता है।

कैंडिडेट ना देंखे बल्कि पीएम का चुनाव करें

पीएम ने रैली में जनता से साफ कहा कि वे कैंडिडेट न देखें बल्कि पीएम का चुनाव करें। उन्होंने कहा कि आपका यह वोट सिर्फ सांसद चुनने के लिए नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री चुनने के लिए भी है। उन्होंने इस दौरान जनता से यह भी अपील की कि आप लोग सबको कहना है कि अपने मोदी जी आए थे और उन्होंने आपसे जय श्रीराम कहा है। क्या आप लोग मेरा जयश्री राम हर घर तक पहुंचा देंगे।

इंडी गठबंधन वालों के बिहारियों का मान-सम्मान कोई मायने नहीं

पीएम मोदी ने रैली में कहा कि ये भूमि, मेधा की भूमि है, राष्ट्रभक्ति की अविरल गंगा यहां बहती है। ऐसी समृद्ध प्रतिभा वाली धरती की पहचान कांग्रेस और आरजेडी वालो ने रंगदारी टैक्स के लिए बना दी थी। इंडी वालों ने पहले तो यहां से उद्योग–व्यापार का पलायन करवाया और अब ये लोग बिहार के परिश्रमी साथियों का अपमान करने में जुटे हैं। उन्होंने आगे कहा कि बिहार की मान–मर्यादा, बिहारियों का सम्मान इंडी गठबंधन वालों के लिए कोई मायने नहीं रखता है। जब डीएमके के लोगों ने बिहार को गाली दी, जब तेलंगाना के कांग्रेस नेता ने गालियां दीं, तब भी ये शाही परिवार अपने होठों पर ताला लगाकर बैठ गया था।

4 जून आते-आते बढ़ रही विपक्ष की गालियां

इंडिया अलायंस पर हमला करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये लोग सहन नहीं कर सकते कि देश की जनता अगले 5 साल के लिए फिर से चुनने जा रही है। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे 4 जून की तारीख नजदीक आ रही है। इन लोगों की ओर से मुझे मिलने वाली गालियां भी बढ़ती जा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आपने बच्चों के भविष्य, विकसित बिहार और विकसित भारत के लिए यह सरकार बहुत जरूरी है। जो लोग आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हैं, जिन्हें अदालत ने दोषी साबित किया है। इन लोगों की आंखों में मोदी चौबीसों घंटे खटकता है, लेकिन इनकी लाख कोशिशों के बावजूद मैं आपकी सेवा में डटा रहूंगा।

संक्षिप्त समाचार

ममता बनर्जी का भाजपा पर निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली मामले पर राजनीति गरमाई हुई है। इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि वह संदेशखाली में महिलाओं की दुर्दशा से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को संदेशखाली की महिलाओं की गरिमा के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। टीएमसी प्रमुख के अनुसार संदेशखाली को लेकर भाजपा की साजिश अब बेनकाब हो गई है।

स्वाति केस में केजरीवाल की चुप्पी पर एलजी ने साधा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना का बयान सामने आया है। स्वाति मालीवाल ने इस बारे में उनके साथ फोन पर बात की और बताया कि कैसे उनके सहकर्मी उन्हें धमकी दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने केजरीवाल की चुप्पी को कहा कि उनकी चुप्पी महिलाओं की सुरक्षा पर उनके रुख के बारे में बहुत कुछ बताती है।

चारधाम यात्रा में इस साल अबतक 39 यात्रियों की मौत

राज्य सरकार ने श्रद्धालुओं को यात्रा का विकल्प चुनने की दी सलाह

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार चारधाम यात्रा में इस साल अबतक 39 यात्रियों की मौत हुई है। इन 39 मौतों में से सबसे ज्यादा मौतें केदारनाथ धाम में हुई हैं जहां अब तक 18 लोगों की जान जा चुकी है, इसके बाद यमुनोत्री धाम में 12 मौतें, बद्रीनाथ धाम में 7 मौतें और गंगोत्री धाम में दो मौतें हुई हैं। खराब स्वास्थ्य से हो रही मौतों के बाद सरकार तीर्थयात्रियों की हेल्थ स्क्रीनिंग पर फोकस कर रही है, साथ ही उसने उचित अनुकूलन अवधि के बाद ही लोगों को यात्रा का विकल्प चुनने की सलाह दी है।

सोमवार शाम तक सवा सात लाख से ज्यादा तीर्थयात्री चार धाामों में पहुंच चुके हैं, जिनमें केदारनाथ के लिए 3,19,193, यमुनोत्री के लिए 1,38,537, बद्रीनाथ के लिए 1,39,656 और गंगोत्री के लिए 1,25,777 यात्री शामिल हैं। उधर चार धाम की यात्रा में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा हर तरह की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दे रखे हैं। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखने के लिए कहा गया है कि उनसे सामान की ज्यादा कीमत ना वसूली जाए।

पिछले साल चार धाम यात्रा के दौरान 245 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। इनमें से सबसे ज्यादा 120 मौतें केदारनाथ धाम के रास्ते में हुई थीं। बद्रीनाथ धाम रूट पर 46, गंगोत्री धाम रूट पर 30 और यमुनोत्री धाम रूट पर 39 मौतें हुई थीं।

50 साल से ज्यादा उम्र वालों की स्वास्थ्य जांच पर फोकस

उत्तराखंड सरकार के स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर तीर्थयात्रियों की चिकित्सा जांच करने का निर्देश दिया गया है। विभाग विशेष रूप से 50 वर्ष से अधिक की उम्र वाले श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और रोगियों को केदारनाथ की पैदल यात्रा से बचने की सलाह दे रहा है। उन्होंने कहा, तीर्थयात्रियों को उचित अनुकूलन अवधि के बाद ही यात्रा का विकल्प चुनने की सलाह दी गई है।

सिसोदिया का आचरण लोकतांत्रिक सिद्धांतों के साथ बड़ा विश्वासघात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दोनों ही मामले में नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। जमानत देने से इनकार करने के निर्णय को सिसोदिया ने चुनौती दी थी।

याचिकाएं खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सिसोदिया का आचरण लोकतांत्रिक सिद्धांतों के साथ बड़ा विश्वासघात है। अदालत ने कहा कि यह मामला मनीष सिसोदिया द्वारा सत्ता के गंभीर दुरुपयोग और विश्वास के उल्लंघन को दर्शाता है। यह भी कहा कि मामले में एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि सिसोदिया ने अपने लक्ष्य के अनुरूप सार्वजनिक फीडबैक तैयार करके उत्पाद शुल्क नीति बनाने की प्रक्रिया को विकृत कर दिया। ऐसा दावा किया गया है कि वे क्षतिग्रस्त हो गए थे। कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया द्वारा सुबूतों के साथ छेड़छाड़ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि सिसोदिया एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और उपमुख्यमंत्री रहने के दौरान उनके पास 18 मंत्रालयों की जिम्मेदारी थी। इस मामले में कई गवाह लोक सेवक हैं और उन्होंने आवेदक के खिलाफ बयान दिए हैं।

झटका

■जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए एचसी की सख्त टिप्पणी

पॉलिसी में हेरफेर की कोशिश

अदालत ने कहा कि सिसोदिया ने नीति निर्माण में हेरफेर करने की कोशिश की और उनके द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को नकार दिया। अदालत ने पाया कि सीबीआई मामले में जमानत के लिए सिसोदिया ट्रिपल टेस्ट पास नहीं कर सके, क्योंकि वह अपने द्वारा इस्तेमाल किए गए दो फोन पेश करने में विफल रहे हैं।

जिसकी तारीफ देश का दुश्मन करे, क्या उसे मिलना चाहिए मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के नेताओं के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया है। राजनाथ सिंह ने सवाल पूछा कि भारत के जिस नेता की पाकिस्तान द्वारा तारीफ की गई है, क्या ऐसे नेता को सरकार बनाने की अनुमति मिलनी चाहिए?

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का राहुल गाधी पर तंज

रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान के पूर्व मंत्री मंत्री फवाद हुसैन चौधरी के बयान का हवाला दिया। फवाद हुसैन चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'राहुल ऑन फायर' लिखकर एक वीडियो साझा किया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सवाल पूछा कि जिस नेता की पाकिस्तान द्वारा तारीफ की जा रही है, वह भारत को दिशा में ले जाएंगे। भाजना नेता ने इस बात पर जोर दिया कि पृथ्वी की कोई भी ताकत भारत में राम राज्य की स्थापना को नहीं रोक सकती।

रक्षामंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में बैंकों ने काफी नुकसान उठाना पड़ा था, जबकि भाजपा के शासनकाल में सभी बैंकों ने शानदार कमाई की है।

न्यूज डायरी

अंतरराष्ट्रीय कोर्ट से नेतन्याहू के खिलाफ वारंट जारी करने की अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के मुख्य अभियोजक ने युद्ध के दौरान की गई कार्रवाई को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सहित इजरायल और हमास के नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग की है। करीम खान ने कहा कि उनका मानना है कि नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योव गैलेंट और तीन हमास नेता (येहिया सिनवार, मोहम्मद दीफ और इस्माइल हनियेह) गाजा पट्टी और इजरायल में युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं। तीन न्यायाधीशों का एक पैनल अभियोजक के साक्ष्य पर विचार करेगा और यह निर्धारित करेगा कि गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए या नहीं। यह भी देखा जाएगा कि मामले को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाए या नहीं।इजरायल अंतरराष्ट्रीय अदालत का सदस्य नहीं है, इसलिए अगर गिरफ्तारी वारंट जारी भी किया जाता है, तो नेतन्याहू और गैलेंट को अभियोजन के किसी भी तत्काल जोखिम का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन करीम खान की इस मांग से इजरायली नेताओं के लिए विदेश यात्रा करना मुश्किल हो सकता है। इजरायली विदेश मंत्री ने कहा कि उनके नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग करने का मुख्य अभियोजक का निर्णय एक ऐतिहासिक अपमान है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।

पत्रकार के अपहरण मामले में इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अधिकारियों की लगाई क्लास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने गुलाम जम्मू कश्मीर से पिछले हफ्ते अपहृत पत्रकार का पता नहीं लगाने को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई है। पाकिस्तान हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने सोमवार को सवाल किया कि क्या जासूसी एजेंसियां देश चलाएंगी। अहमद फरहाद शाह की पत्नी की ओर से दायर याचिका पर इस्लामाबाद हाई कोर्ट सुनवाई कर रहा था। पिछले हफ्ते कथित तौर पर घर से खुफिया एजेंसियों ने उनका अपहरण कर लिया था। उनकी पत्नी ने 15 मई को हाई कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट में रक्षा मंत्रालय की ओर से बताया गया कि फरहाद शाह आइएसआइ के पास नहीं हैं। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसी पत्रकार को जबरन गायब करने में अपनी संलिप्तता के आरोप का खंडन कर रही है। इस पर, न्यायमूर्ति कयानी ने टिप्पणी की कि मामला अब आइएसआइ और सैन्य खुफिया विभाग के अधिकार क्षेत्र से परे है। न्यायमूर्ति कयानी ने रक्षा सचिव को रिपोर्ट लिखित रूप में हाई कोर्ट को सौंपने का निर्देश दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यायाधीश ने बचाव पक्ष और आंतरिक सचिवों को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। वहीं, पाकिस्तान के कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने सोमवार को न्यायपालिका से कहा कि कोर्ट को मामले में वरिष्ठ सैन्य और सरकारी अधिकारियों को अदालत में घसीटने का अधिकार नहीं है।

जूलियन असांजे को अमेरिकी प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील की मिली अनुमति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को सोमवार को बड़ी राहत मिली है। लंदन की एक अदालत ने उन्हें जासूसी के आरोप में अमेरिका में उनके प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील करने की अनुमति दे दी है। 52 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई नागरिक को 2019 से लंदन की बेलमार्श उच्च–सुरक्षा जेल में रखा गया है। अमेरिकी अधिकारी चाहते हैं कि असांजे को विकीलीक्स पर हजारों गोपनीय दस्तावेज प्रकाशित करके कथित तौर पर जीवन को खतरे में डालने के लिए मुकदमे का सामना करें। असांजे के वकीलों ने तर्क दिया है कि उनके खिलाफ मामला राजनीति से प्रेरित है। रॉयल कोर्ट ऑफ जस्टिस में हाई कोर्ट के दो न्यायाधीशों ने आस्ट्रेलियाई मूल के असांजे को उनके प्रत्यर्पण आदेश के खिलाफ अपील की अनुमति दी।उनकी अपील पर अगले साल किसी समय सुनवाई होने की उम्मीद है, क्योंकि जून 2022 में ब्रिटिश सरकार द्वारा आदेश पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से उन्होंने प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखी है। असांजे ने हमेशा से कहा है कि उसने कोई भी गलत कार्य नहीं किया है।

भारत में मुस्लिमों की आबादी बढ़ी लेकिन अमेरिका को संकट में दिख रहे

रिपोर्ट

अमेरिका ने भारत को एक बार फिर से मुसलमानों पर ज्ञान दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

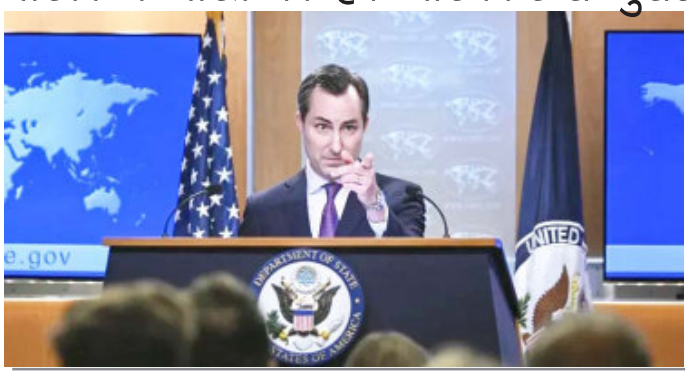

वाशिंगटन। अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता का ठेकेदार बनते हुए मुस्लिमों को लेकर एक बार फिर भारत को ज्ञान दिया है। भारत में मुस्लिमों की स्थिति पर न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका ने कहा कि वह इस मामले पर भारत सहित दुनिया भर के देशों के साथ बातचीत कर रहा है। इस दौरान अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, हम दुनिया भर में सभी के धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने और उसकी रक्षा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं।

मिलर ने आगे कहा, हमने भारत समेत कई देशों के साथ धार्मिक समुदायों के सदस्यों के लिए समान व्यवहार के महत्व पर चर्चा की है। मिलर न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत में श्धर्मनिरपेक्ष ढांचा और मजबूत लोकतंत्र कमजोर हुआ है। अपने ही देश में अजनबी, मोदी के भारत में मुसलमान होना शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में मुस्लिम परिवार पीड़ा और अलगाव से जूझ रहे हैं। वे अपने बच्चों को ऐसे देश में पालने की कोशिश कर रहे हैं, जो उनकी पहचान पर सवाल उठा रहा है।

न्यूयार्क टाइम्स की ये रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब हाल ही में भारत में मुस्लिम आबादी में 43. 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मुस्लिम आबादी 1950 में 9.84 प्रतिशत थी जो 2015 में बढ़कर 14.09 प्रतिशत हो गया। इस तरह 75 वर्षों में मुस्लिम आबादी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी रिपोर्ट में आगे कहा गया है ि1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक हिंदू आबादी का हिस्सा 84.68 प्रतिशत से 78.06 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि 7.82 प्रतिशत कमी दिखाता है। रिपोर्ट में ईसाई, सिख और बौद्ध आबादी में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि जैन और पारसी आबादी में कमी आई।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद एक स्वतंत्र निकाय है, जिसका गठन भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को आर्थिक और संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिए किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ईएसी–पीएम की रिपोर्ट पर प्रकाश डाला और दावा किया कि अल्पसंख्यक खतरे में हैं वाली कहानी झूठी है और इसका पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने कहा कि जो धारणा बनाई गई है, वह गलत साबित हो रही है।

यूक्रेन के सात क्षेत्रों पर रूस ने किया 29 ड्रोनों से हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन के सात क्षेत्रों पर रातभर रूसी सेनाओं ने 29 ड्रोनों से हमला किया। हालांकि, इस हमले में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। यूक्रेन की वायु सेना ने मंगलवार को एक बयान जारी कर दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूसी सेना द्वारा इस्तेमाल किए गए 29 ड्रोनों में से 28 को मार गिराया है।

क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव और यूक्रेनी आंतरिक मामलों के मंत्रालय के टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर दिए गए बयानों के अनुसार, इस ड्रोन हमले में खार्किव में चार निजी आवास, 25 ट्रक और बसें क्षतिग्रस्त हो गईं और पांच लोग घायल हो गए।

गवर्नर ने कहा कि मिसाइल हमले में परिवहन बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया और शहर में दो और लोग घायल हो गए। निप्रॉपेट्रोव्स्क क्षेत्र में मार गिराए गए दो ड्रोनों ने बाहरी इमारतों को नुकसान पहुंचाया, क्षेत्र के गवर्नर ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी।

यूक्रेनी सेना के अनुसार, खेरसॉन क्षेत्र में तीन शाहेड–प्रकार के ड्रोनों को मार गिराया गया, जबकि ओडेसा क्षेत्र में 14 और ड्रोनों को मार गिराया गया। बाकी ड्रोनों ने माइकोलाइव, चेर्कासी और किरोवोहराद क्षेत्रों को निशाना बनाया।

ईरानी राष्ट्रपति को अंतिम विदाई देने पहुंचे लाखों समर्थक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का हेलीकॉप्टर अजरबैजान की सीमा के पास क्रैश हो गया। हादसे में ईरानी राष्ट्रपति की मौत हो गई। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद पूरा ईरान शोक में है। हजारों की संख्या में उनके समर्थक उनकी अंतिम यात्रा में पहुंचे। ईरानी राष्ट्रपति की अंतिम विदाई में लोग काले कपड़े पहनकर पहुंचे। लोगों के चेहरे पर उदासी और दुख साफ झलक रहा था। भारी हथियारों से लैस गार्ड भीड़ की निगरानी कर रहे थे। ईरान के अधिकारियों ने इस दौरान अपने नेता को अंतिम विदाई देते हुए भाषण दिया। इसके अलावा शोक संगीत बजाया और दिवंगत नेता के लिए प्रार्थना भी की। अमेरिका में बने बेल 212 हेलीकॉप्टर में वह यात्रा कर रहे थे, जो रविवार को क्रैश हो गया।

भारत और नेपाल के बीच एक बार फिर से भड़कता दिख रहा नक्शा विवाद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■कालापानी जैसे भारत के कई इलाकों को नेपाल का हिस्सा बताया

काठमांडू। भारत और नेपाल के बीच एक बार फिर से नक्शा विवाद भड़कता दिख रहा है। नेपाल की सरकार ने अपने नए नोट पर देश के विवादित नक्शे को छापने का फैसला किया है। इस नक्शे में कालापानी, लिंपियाधुरा, लिपुलेख जैसे भारत के कई इलाकों को नेपाल का हिस्सा बताया गया है। इस ऐलान के बाद जहां भारत में तीखी प्रतिक्रिया हुई, वहीं नेपाल में भी इसके खिलाफ आवाजें तेज हो गईं। नेपाल के राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार चिरंजीवी नेपाल ने विवादित नक्शे को छापने को गलत कदम बताया। इसके बाद वामपंथियों के दबाव में आकर नेपाल की सरकार ने चिरंजीवी को पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। नेपाल ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है जब भारत में चुनाव हो रहे हैं। वहीं नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड की गठबंधन सरकार को संसद में बेहद महत्वपूर्ण विश्वासमत को हासिल करना था।

नेपाल के नए नक्शे को नोट पर छापने के फैसले से भारत के साथ सीमा विवाद का मुद्दा एक बार फिर से गरमा गया है। साल 2020 में नेपाल की तत्कालीन केपी ओली सरकार ने नए नक्शे को बनाया था। इसमें चीनी राजदूत की बेहद भूमिका मानी जाती है। नेपाल ने यह कदम तब उठाया जब सीमा विवाद को लेकर दोनों ही देशों के बीच में बातचीत चल रही थी। नेपाल में वर्तमान समय में वामपंथी गठबंधन की सरकार चल रही है और प्रचंड पीएम हैं। विश्लेषकों का कहना है कि यह प्रचंड सरकार नए नक्शे को नोट पर छापकर यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि वह राष्ट्रवादी है। साथ ही क्षेत्रीय संप्रभुता और अखंडता को लेकर जोर दे रही है। प्रचंड ने इस विवादित नक्शे को छापने का फैसला करके ओली के प्रति निष्ठा को साबित करने की कोशिश की ताकि उन्हें समर्थन मिलता रहे। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया कि नेपाल के ऐसा करने से दोनों देशों के बीच में जमीनी हालात में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है।

म्यांमार में हिंदुओं और बौद्धों पर आफत, 5000 घर जलाए गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नेपीडॉ। म्यांमार में महीनों से जारी गृह युद्ध भीषण रूप लेता जा रहा है जिससे स्थिति बिगड़ती जा रही है। रखाइन प्रांत में हालात सबसे ज्यादा गंभीर हैं, जहां पर जुंटा के नेतृत्व वाले म्यांमार की सेना और जातीय विद्रोही समूहों के बीच जंग भीषण जंग छिड़ी हुई है। सैन्य संघर्ष अब सांप्रदायिक तनाव में बदल गया है, जिसका खामियाजा इलाके में रह रहे समुदाय के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बुथीदौंग में बौद्धों और हिंदुओं के लगभग 5000 घरों को जला दिया गया है। बांग्लादेश की सीमा से सिर्फ 25 किलोमीटर दूर स्थित इन 5000 घरों को सिर्फ इसलिए आग के हवाले किया गया क्योंकि वे बौद्धों और हिंदुओं के थे। संघर्ष के चलते ज्यादातर लोग पहले ही इलाका छोड़कर सुरक्षित क्षेत्रों में भाग गए हैं। इसके चलते कई घर खाली थे, लेकिन कुछ लोग अभी भी यहां रह रहे हैं।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

फंसे यात्रियों को जाम से निकालने के लिए निरंतर किया जा रहा है प्रयास

प्रयास

जिला प्रशासन की ओर से 4500 फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें वितरित की गई

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। 11वें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई को देश–विदेश के श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं तथा केदारनाथ धाम में कपाट खुलने से लेकर अब तक 3,19,193 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन कर लिए हैं तथा अभी भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं का आना जारी है। भारी संख्या में दर्शन को पहुंच रहे श्रद्धालुओं जिस कारण यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है जिसके लिए जिला प्रशासन की टीमें एवं पुलिस विभाग के जवान जाम में फंसे श्रद्धालुओं को जाम से निकालने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

श्री केदारनाथ धाम के दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों जो जाम में फंस रहे हैं, इसके लिए जिलाधिकारी के निर्देशन में इन यात्रियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें

आज जिला प्रशासन की ओर से स्याल सौड़, काकड़ागाड़, दगड़िया बैंड़, रामपुर, शेरसी, जामू आदि क्षेत्रों में जाम में फंसे तीर्थ यात्रियों को 4500 फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें जिला पूर्ति अधिकारी मनोज कुमार डोभाल एवं सेक्टर अधिकारी फाटा नरेंद्र कुमार, खंड विकास अधिकारी प्रवीण भट्ट एवं उनकी टीम द्वारा तीर्थ यात्रियों को उनकी गाड़ियों में जाकर फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें वितरित की गई। जाम में फंसे विभिन्न क्षेत्रों से आए तीर्थ यात्रियों को जब जिला प्रशासन की ओर से फूड पैकेट एवं पानी की बोतले उपलब्ध कराई गई तो सभी तीर्थ यात्रियों के चेहरे पर खुशी की झलक देखने को मिली, जिससे कि सभी तीर्थ यात्रियों ने फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जाम में फंसे तीर्थ यात्रियों को जाम से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की टीमें निरंतर जाम हटाने का कार्य कर रही हैं। उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल ने अवगत कराया है कि चंद्रापुरी में रोड कटिंग के कारण सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया था जिसे अब खोल दिया गया है तथा यातायात को सुचारू करते हुए वाहनों को लाइन के माध्यम से दोनों ओर से सुव्यवस्थित ढंग से आवाजाही की जा रही है।

न्यूज डायरी

नेताजी संघर्ष समिति ने स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर याद किया

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। इससे पूर्व समिति के अधिकारियों ने एम डी डी ए कॉम्प्लेक्स डिस्पेंसरी रोड पर राजीव जी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि स्वर्गीय राजीव जी आज हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी यादें और उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा उनकी याद दिलाते रहेंगे। स्वर्गीय राजीव जी को याद करने वालों में आरिफ वारसी ,प्रभात प्रभात डंडरियाल ,प्रदीप कुकरेती, पारस यादव ,संदीप गुप्ता ,नूर नाज ,अतुल शर्मा ,दानिश नूर ,रणजीत सिंह जोशी, राम सिंह प्रधान ,आदि उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट छात्रों की सफलता को पर्यावरण संवर्धन के रूप में बनाया यादगार

संवाददाता पुरोला। छात्रों के उत्साह वर्धन के लिए हुडोली राजकीय इंटर कॉलेज में परिचारक के पद पर कार्यरत भरत सिंह रावत ने हाईस्कूल व इंटर मिडियड की परीक्षा में प्रथम ,द्वितीय एवम तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों को नगद पुरस्कार व मोमेंटो देकर पुरुस्कृत किया।विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर छात्रों की सफलता को पर्यावरण सम्बर्धन के साथ जोड़ कर सफलता को यादगार बनाया। राजकीय इंटर कॉलेज हुडोली में परिचारक पद पर तैनात सुनारा गांव के भरत सिंह रावत ने हाईस्कूल तथा इंटर मिडियट के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुये छात्रों को नगद धनराशि 500 व स्मृति चिन्ह देते हुए बृक्षारोपण करवाया गया। जिसमें 12वीं कक्षा से सैंज गांव की पुनम, हुडोली की रोहिना, ठंढुग की रितिका तथा हाईस्कूल में बिंगसी की कशिश, सैंज गाँव के रोहित कुमार, चंदेली से श्वेता ने अधिकतम अंक प्राप्त किये थे।

नगर निगम पार्षद संजय नौटियाल पर भविष्य में चुनाव पर लगेगी रोक!

संवाददाता देहरादून। प्रवीण भारद्वाज द्वारा राज्यपाल और राज्य निर्वाचन आयोग को पार्षद संजय नौटियाल एवं उसके पूरे परिवार पर भविष्य में चुनाव में रोक लगाने के लिए शिकायत की गई थी, जिस राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सख्त रूप अपनाते हुए इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रमुख सचिव उत्तराखण्ड शासन को कार्यवाही करने के लिए कहा गया है। वार्ड न. 6 दून विहार के पूर्व पार्षद संजय नौटियाल द्वारा पूर्व में गलत व फर्जी शपथ पत्र प्रस्तुत कर चुनाव लड़ा गया था। पार्षद संजय नौटियाल का घर एवम् दुकान नगर निगम की सरकारी भूमि पर कब्जा करके बनायी गई है, जिसके पूरे प्रमाण उपलब्ध होने के बाद भी पार्षद संजय नौटियाल ने झूठा एवम् भ्रामक शपथ पत्र चुनाव आयोग को देकर चुनाव लड़ा था।

प्रशिक्षण में बताई जाने वाली सभी जानकारी सीख लें अधिकारी

संवाददाता चम्पावत। आगामी 04 जून को होने वाली लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 की मतगणना के सफल संपादनार्थ मंगलवार को जीजीआईसी सभागार में 60 सुपर वाइजर, 60 मतगणना सहायक, 60 माइक्रो आब्जर्वर को मतगणना का पहला व्यवहारिक, सैद्धांतिक प्रशिक्षण उप जिला निर्वाचन अधिकारी हेमंत कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा की निर्वाचन को सुचारू रूप से बिना त्रुटि के पूरा करने हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है, इसलिए प्रशिक्षण में बताई जाने वाली सभी जानकारी भली भाती सीख ले, जिससे मतगणना के दिन कोई गलती न हो। क्यूकी निर्वाचन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसलिए इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने बताया की यदि मतगणना के दिन कोई भी समस्या आती है तो उसकी सूचना देर किए बिना एआरओ को सबसे पहले दे।

उन्होंने निर्देश दिए कि मतगणना स्थल पर सभी व्यवहारिकता के साथ पेश आए। मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतगणना के दिन भरने वाले विभिन्न पत्रों को सावधानी से भरना सिखाया। उन्होंने ईवीएम मशीनों को किस प्रकार से खोलना और मिलान करने के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी देने के साथ ही अन्य जानकारियां भी दी। उन्होंने बताया की ईवीएम की मतगणना हेतु कुल 180 कार्मिक लगाए गए हैं।

वर्थ वेटिंग होम की स्थापना की गई

संवाददाता चमोली। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नन्दानगर में जन्म प्रतिक्षा गृह/वर्थ वेटिंग होम की स्थापना की गई। राष्ट्रीय मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, दूरदराज क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को प्रसव की संभावित तिथि से पूर्व जन्म प्रतिक्षा गृहध्वर्थ वेटिंग होम की सुविधा उपलब्ध कराने के उददेश्य से जनपद चमोली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदा नगर में जन्म प्रतीक्षा गृह स्थाापित किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजीव शर्मा ने बताया कि बर्थ वेंटिंग होम बनाने का उददेश्य समय पर सुरक्षित प्रसव एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाना है। कहा कि कतिपय महिलाएं ठीक प्रसव पीड़ा के दौरान चिकित्सालय का रुख करती हैं। जिससे रास्ते में प्रसव की संभावना के साथ साथ जच्चा बच्चा को खतरा बना रहता है।

केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों को साफ–स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों को साफ–स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो, इसके लिए जिला पंचायत, नगर पालिका, नगर पंचायत एवं सुलभ इंटरनेशनल द्वारा अपने–अपने क्षेत्रांतर्गत निरंतर बेहतर साफ–सफाई की व्यवस्था संबंधित विभागों/संस्थाओं के पर्यावरण मित्रों द्वारा की जा रही है।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत केदारनाथ चंद्रशेखर चौधरी ने अवगत कराया है कि श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों को साफ–स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो, इसके लिए नगर पंचायत केदारनाथ के पर्यावरण मित्रों

गंदगी करने पर की जा रही नियमानुसार कार्यवाही

द्वारा केदारनाथ धाम सहित सरस्वती नदी एवं मंदाकिनी नदी की भी निरंतर साफ–सफाई व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही आने वाले तीर्थ यात्रियों को भी पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं जो भी कूड़ा–कचरा उनके द्वारा किया जा रहा है उसको डस्टबिन में डालने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही जो भी दुकानदार एवं यात्री गंदगी करते हुए पकड़ा जाता है तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

सुलभ इंटरनेशल के इंचार्ज धनंजय पाठक ने अवगत कराया है कि सुलभ इंटरनेशनल के पर्यावरण मित्रों द्वारा सीतापुर पार्किंग से लेकर केदारनाथ धाम तक यात्रा मार्ग की निरंतर साफ–सफाई की जा रही है। इसके साथ ही केदारनाथ धाम, सीतापुर, सोनप्रयाग एवं यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों में स्थापित सुलभ शौचालयों की निरंतर सफाई व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही यात्रा मार्ग में घोड़े–खच्चरों के लिए बनाई गई चरहियों की भी साफ–सफाई व्यवस्था की जा रही है।

अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत सोबन सिंह कठैत ने अवगत कराया है कि जिला पंचायत के पर्यावरण मित्रों द्वारा जिला पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर साफ–सफाई व्यवस्था की जा रही है।

बीएससी व बीए प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

संवाददाता पुरोला। बर्फिया लाल जुवांठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरोला में बीएससी व बीए प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी समर्थ पोर्टल के माध्यम से 31 मई तक रजिस्ट्रेशन कर विद्यालय में आवश्यक दस्तावेज जमा कर सकते हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 एके तिवारी ने कहा कि वर्तमान में महाविद्यालय में आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध हैं और संसाधनों की व्यवस्था लगातार आवश्यकतानुसार की जा रही हैं वंही स्नातक के साथ ही एमएससी व एमए की कक्षाएं संचालित हो रही हैं जो क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी है क्षेत्र के अध्ययनरत छात्र छात्राओं को पढ़ाई के लिए बड़े शहरों का रूख नही करना पड़ेगा।

जिस प्रकार से आप बोलते है वह तय कर देता है कि आप किस वर्ग के है। -अज्ञात

विचार-प्रवाह देहरादून, बुधवार, 22 मई 2024

पेज थ्री
www.page3news.in

गांधी परिवार का जुड़ाव

राहुल को रायबरेली सीट से प्रत्याशी बनाकर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि साउथ के राज्यों से विशेष उम्मीदें रखते हुए भी उसने नॉर्थ और खासकर यूपी में अपनी दिलचस्पी कम नहीं होने दी है। भले राज्य में कांग्रेस का संगठनात्मक आधार हाल के वर्षों में काफी कमजोर हो गया है।

गुलशन राय खत्री।।

लंबी कशमकश के बाद आखिरकार कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। पिछले कुछ दिनों से इन सीटों के संभावित उम्मीदवारों को लेकर जैसी गहन चर्चा चल रही थी, उससे साफ है कि यह सिर्फ दो सीटों का मामला नहीं रह गया था।

ये दोनों सीटें न सिर्फ लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ रही हैं बल्कि गांधी परिवार का पसंदीदा अखाड़ा मानी जाती रही हैं। हालांकि, अतीत में एकाधिक मौकों पर इन सीटों की नुमाइंदगी गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति के हाथों में भी गई है, लेकिन इन सीटों को गांधी परिवार के चुनाव क्षेत्र के ही रूप में देखा जाता रहा है। ऐसे में 2019 लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी की हार और इस बार सोनिया गांधी के लोकसभा चुनाव से बाहर रहने की वजह से कांग्रेस में इन दोनों सीटों पर शून्य बन गया था, जिसे भरे जाने की जरूरत शिद्दत से महसूस की जा रही थी।

इसमें दो राय नहीं कि रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा को प्रत्याशी बनाने का फैसला करने में कांग्रेस ने काफी देर लगाई। इस देरी को लेकर तरह–तरह की कयासबाजी होती रही। लेकिन राजनीति में विलंब का भी अपना शास्त्र होता है। यह दावे से नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस नेतृत्व या गांधी परिवार के फैसले में हुई देर के पीछे अनिश्चय या असमंजस की ही भूमिका थी। इसकी कई और व्याख्याएं की जा सकती हैं।

सोनिया गांधी के राज्यसभा का रुख करने के बाद राहुल गांधी के रायबरेली सीट को चुनने और प्रियंका के चुनाव में खड़ा न होने के फैसले पर भी कई तरह से टीका–टिप्पणी की जा सकती है। बीजेपी के कुछ नेता इसे राहुल का अमेठी से भागना बताने भी लगे हैं। हालांकि प्रत्याशी कोई भी हो, ये दोनों सीटें गांधी परिवार की प्रतिष्ठा से जुड़ी हैं। इन सीटों पर जीत–हार को गांधी परिवार की जीत–हार के ही रूप में देखा जाएगा।

बहरहाल, राहुल को रायबरेली सीट से प्रत्याशी बनाकर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि साउथ के राज्यों से विशेष उम्मीदें रखते हुए भी उसने नॉर्थ और खासकर यूपी में अपनी दिलचस्पी कम नहीं होने दी है। भले राज्य में कांग्रेस का संगठनात्मक आधार हाल के वर्षों में काफी कमजोर हो गया हो, यह राजनीतिक संदेश काफी मायने रखता है। अभी जब पांच चरणों की वोटिंग बाकी है, तो कांग्रेस नेतृत्व और गांधी परिवार का यह कथित आक्रामक रुख उत्तर भारत में मतदाताओं के मन को प्रभावित कर पाता है या नहीं और करता है तो किस सीमा तक, यह देखना अब दिलचस्प होगा।

धन–वैभव

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। एक समय की बात है, कौरवों ने विराट की नगरी पर आक्रमण करने का विचार किया। उस समय बहुत से अपशकुन होने लगे, जिन्हें देखकर द्रोणाचार्य ने कहा, "इस समय हमें युद्ध करने के लिए नहीं जाना चाहिए, क्योंकि लगता है, हम अर्जुन को पराजित नहीं कर पाएंगे।" अर्जुन की यह प्रशंसा द्रोणाचार्य के मुंह से सुनकर कर्ण के हृदय में आग–सी लग गई जब उससे यह नहीं सहा गया तो उसने द्रोणाचार्य से कटु बातें कहना आरंभ किया और साथ में वह अपनी वीरता का दंभ भी भरने लगाद्य इस समय अश्वत्थामा ने बिगड़कर सभी कौरवों तथा कर्ण से कहा, "निर्दय दुर्योधन के सिवा कौन क्षत्रिय कपट के जुए से राज्य पाकर संतुष्ट हो सकता है? बहेलिए की तरह धोखेबाजी से धन–वैभव प्राप्त करके कौन अपनी बढ़ाई चाहेगा?

संपादकीय

कमजोर जांच–पड़ताल

महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के करीब 11 साल बाद आया विशेष अदालत का फैसला कम से कम यह संतोष देता है कि इस मामले में न्याय प्रक्रिया का एक चक्र पूरा हुआ। हालांकि कई अहम सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिले हैं। लिहाजा यह नहीं कहा जा सकता कि यह प्रकरण अपनी तार्किक परिणति तक पहुंच गया। 20 अगस्त 2013 की सुबह हुई डॉ. दाभोलकर की हत्या ने अगर पूरे देश को सकते में डाल दिया था, तो वह बेवजह नहीं था। माना गया कि उनकी हत्या उनके विचारों को दबाने के मकसद से की गई है। उसके बाद फरवरी 2015 में गोविंद पानसारे, अगस्त 2015 में एम एम कलबुर्गी और सितंबर 2017 में हुई गौरी लंकेश की हत्या को इसी श्रेणी में रखकर देखा जा रहा था। लग रहा था कि अदालत में अगर इन साजिशों की परतें खुलें और कोर्ट किसी नतीजे पर पहुंचे तो देश में अपनी तरह के इन हत्याकांडों के पीछे की सचाई सामने आएगी। अदालत में उन दो लोगों के खिलाफ दोष साबित हो गया, जिन्होंने 20 अगस्त 2013 की सुबह डॉ. दाभोलकर पर गोलियां चलाई थीं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इन लोगों ने यह हत्या की क्यों? जाहिर है, कमजोर जांच–पड़ताल की वजह से हत्या के पीछे की साजिश उजागर नहीं हो सकी। हत्या के पीछे कोई दूसरा ठोस, तर्कसंगत कारण भी स्थापित नहीं हो पाया। नतीजा यह कि हत्या करने वालों को सजा सुना दिए जाने के बाद भी, देश इस बात को लेकर अंधेरे में है कि आखिर इस हत्या के पीछे किन लोगों की और कैसी साजिश थी।

जयसिंह मुगलों के अधीन राज्य चला रहे थे। ऐसे में 1688 में छत्रसाल चले गए छत्रपति शिवाजी के पास। एक दिन शिवाजी ने उन्हें अपनी भवानी तलवार भेंट करते हुए कहा कि उनका असली मुकाम बुंदेलखंड में है।

शिवाजी से मुलाकात

सुविज्ञा जैन।।

भारतीय इतिहास में कई ऐसे युद्ध हुए, जिन्होंने राज्यों की नियति बदलकर रख दी। ऐसा ही एक युद्ध बुंदेलखंड के जैतपुर में लड़ा गया। उस युद्ध के दौरान राजा छत्रसाल का मराठा पेशवा बाजीराव को लिखा एक पत्र आज भी याद किया जाता है। यह वो समय था जब राजा छत्रसाल मुगलों के खिलाफ लंबे युद्ध के बाद हार के मुहाने पर थे। पेशवा बाजीराव उनकी आखिरी उम्मीद थे।

छत्रसाल ने बाजीराव को यह पत्र बुंदेली भाषा में लिखा था, 'जो गति ग्राह गजेन्द्र की, सो गति भई है आज, बाजी जात बुन्देल की, बाजी राखो लाज।' यानी, हमारी हालत उस हाथी जैसी हो गई है, जिसकी टांग ग्राह यानी मगरमच्छ ने पकड़ ली है। बुंदेलवंश की बाजी अब हाथ से निकल रही है। बाजीराव, आओ और हमारी लाज रखो। राजा छत्रसाल ने जब यह पत्र लिखा उनकी उम्र 79 साल थी। इस उम्र तक पहुंचते हुए उनकी शौर्यगाथा भारतीय इतिहास में दर्ज हो चुकी थी। वह अपने पांच दशक लंबे शासनकाल में एक विशाल साम्राज्य खड़ा कर चुके थे। बुंदेलखंड की जमीन पर बिना किसी विरासत के अकेले अपने दम पर इतना बड़ा साम्राज्य खड़ा करने वाले वह अकेले शासक थे। छत्रसाल के पिता चंपत राय महोबा के राजा

थे। जब छत्रसाल 12 साल के थे, तब चंपत राय के साथ उनके ही साथियों ने मुगल बादशाह औरंगजेब संग मिलकर विश्वासघात किया। इससे चंपत राय इतने आहत हुए कि पत्नी के साथ आत्महत्या कर ली। भाई के साथ अकेले रह गए छत्रसाल कुछ समय बाद अपने पिता के मित्र राजा जयसिंह की सेना में भर्ती हो गए। जयसिंह मुगलों के अधीन राज्य चला रहे थे। ऐसे में 1688 में छत्रसाल चले गए छत्रपति शिवाजी के पास। एक दिन शिवाजी ने उन्हें अपनी भवानी तलवार भेंट करते हुए कहा कि उनका असली मुकाम बुंदेलखंड में है।

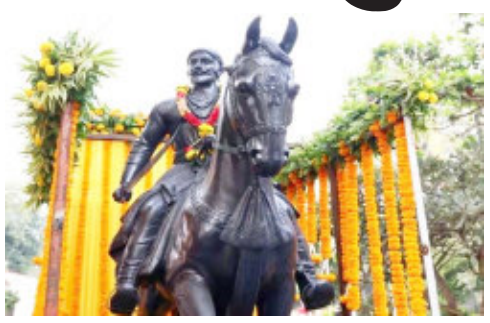

छत्रसाल बुंदेलखंड वापस आ गए, लेकिन तब तक वहां की ज्यादातर रियासतें मुगलों के अधीन आ चुकी थीं। वह अपनी सेना तैयार करना चाहते थे। उन्होंने आसपास के कई राजाओं से मदद मांगी, लेकिन मुगलों के खिलाफ जाने की हिम्मत कोई नहीं जुटा पाया। तब छत्रसाल ने बुंदेलखंड की प्रजा में से ही सैनिक चुनने का फैसला लिया। शुरू में 25 पैदल सैनिक और 5 घुड़सवारों की सेना तैयार की।

छत्रसाल ने पहला हमला अपने पिता से विश्वासघात करने वाले सिहरा के धन्धेरों पर किया। इस जीत में मिली सारी धन संपदा छत्रसाल ने सैनिकों में बांट दी। इससे आसपास के इलाके से लोग छत्रसाल की सेना में शामिल होने लगे। 1671–80 के बीच छत्रसाल ने चित्रकूट से लेकर ग्वालियर तक और कालपी से गढ़ाकोटा तक सत्ता कायम कर ली। उन्होंने पन्ना के गौड़ राजा को हराकर पन्ना को अपनी राजधानी बनाया, कई युद्ध जीते और विशाल भूभाग पर बुंदेला राज्य स्थापित किया।

औरंगजेब के निधन के बाद मुगल सल्तनत कमजोर पड़ने लगी थी। इस बीच छत्रसाल को हराने की कुछ नाकाम कोशिशें हुईं। दो दशकों बाद 1728 में इलाहाबाद के नवाब और मुगल सेनापति मोहम्मद बंगश ने छत्रसाल के बेटे जगतराज पर आक्रमण किया। छत्रसाल वृद्ध हो चुके थे। जगतराज ने रियासत बचाने के लिए पिता से मदद मांगी। छत्रसाल ने फौरन सेना और युद्ध का सामान रवाना करवा दिया, लेकिन बंगश के 73 हजार सैनिकों का मुकाबला करना आसान नहीं था।

सूडोकू बवाल- 5351

*****

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल -5350 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

अपना ब्लॉग

बाजीराव का हमला

मोहन। एक–एक कर बड़े किले बुंदेलों के हाथ से निकलते जा रहे थे। पराजय निकट देख राजा छत्रसाल ने बंगश से समझौते को लेकर बातचीत शुरू की। बंगश को जीत का इतना भरोसा हो गया कि उसने सेना की एक बड़ी टुकड़ी वापस भेज दी। लेकिन, 12 मार्च 1729 को पूरी तरह निश्चिन्त बंगश को एक ऐसी खबर मिली जिससे उसके होश उड़ गए। उसे पता चला कि मराठा पेशवा बाजीराव जैतपुर की तरफ बढ़ रहे हैं।

बाजीराव उस पत्र की वजह से आ रहे थे, जो छत्रसाल ने भेजा था। मई 1729 में बंगश ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस जीत के बाद वृद्ध छत्रसाल ने युवा पेशवा बाजीराव को अपने बेटे की तरह स्नेह और सम्मान दिया। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी पुत्री मस्तानी की शादी भी बाजीराव से कर दी थी। राजा छत्रसाल की मृत्यु के बाद धुबेला में जब उनका स्मारक बनाया गया तो उसका खर्च उनके बेटों और बाजीराव ने बराबरी से उठाया।

गौहर खान का पोलिंग बूथ की व्यवस्था पर फूटा गुस्सा

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान 20 मई को महाराष्ट्र में वोटिंग हुई। मुंबई में बने जगह–जगह बने पोलिंग बूथ पर बॉलीवुड हस्तियां नजर आईं। इस दौरान गौहर खान भी पहुंची। उन्होंने भी वो डाला लेकिन जब वह बाहर आईं तो बहुत ही झल्लाकर बाहर निकलीं। उन्होंने जो रिएक्शन दिया, उसके बाद तो लोगों ने उनकी आलोचना करनी ही शुरू कर दी। एक्ट्रेस अकेले ही वेन्यू पर पहुंची थीं, जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है।

गौहर खान का वीडियो वोटिंग के बाद सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें वह बूथ से वोट देकर बाहर निकलती हैं। जब पपाराजी उनसे पोज देने के लिए उनसे रिक्वेस्ट करते हैं तो वह तेजी से अपनी कार की तरफ जाती हैं, जो बाहर ही गेट पर खड़ी रहती है। वह उसमें बैठकर रवाना हो जाती हैं। मगर इस दौरान गौहर खान झुंझलाकर कहती भी हैं, बहुत ही कंफ्यूजिंग है और बहुत ही अव्यवस्थित है। यानी वह पोलिंग बूथ की बात कर रही हैं कि अंदर की व्यवस्था अच्छी नहीं है। सब बहुत ही अस्त–व्यस्त है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लंबा–चौड़ा पोस्ट भी किया। थोडी हिम्मत करें, जाकर अपना बूथ ढूंढें और वोट करें!! अभी मतदान करें! मुझे यह जानकर बहुत उलझन और निराशा हुई कि जिस पते पर मैं 9 सालों से रह रही हूँ, उस पते से मेरे और मेरे परिवार के नाम गायब हैं।

वोट देकर निकले धर्मेन्द्र कैमरे के सामने बेहद गुस्से में आए नजर

महाराष्ट्र में हो रही वोटिंग में फिल्मी सितारे बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और सोमवार सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर फिल्मी सितारों की चहल–पहल लगी हुई है। इसी बीच बॉलीवुड के लीजेंड एक्टर धर्मेन्द्र का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह गुस्से में भड़कते हुए दिख रहे हैं। धर्मेन्द्र की नाराजगी देखकर लोग हैरान हैं। वहीं एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वोट डालने के बाद कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। वहीं धर्मेन्द्र के अलावा परेश रावल का एक वीडियो भी इस वक्त खूब सुर्खियों में है जिसमें वह वोट न देने वालों के लिए सजा की सलाह देते दिख रहे हैं। धर्मेन्द्र का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कैमरे के सामने काफी झल्लाते हुए से दिख रहे हैं। धर्मेन्द्र को वोट दिलाने के लिए दो लोग उन्हें सहारा देकर ले जाते दिख रहे हैं। इसी बीच कैमरा पर्सन ने उनसे कुछ पूछा जिसपर वह झल्ला उठे। धर्मेन्द्र इस वीडियो में कहते दिख रहे हैं, यार शायर बनो, देश भक्त बनो, अच्छे इंसान बनो, मां बाप से प्यार करो।

रणवीर संग वोट डालने पहुंचीं प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण

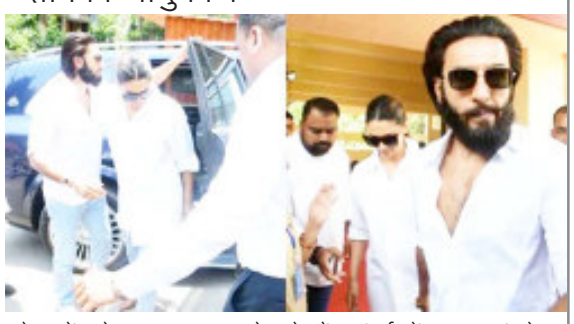

देश में लोकसभा चुनाव हो रहे हैं। मुंबई में आज पांचवे चरण में वोटिंग जारी है। सोमवार सुबह से ही बॉलीवुड सितारे पोलिंग बूथ पहुंच रहे हैं और अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस लिस्ट में अक्षय कुमार से लेकर अनुपम खेर, धर्मेंद्र, सलीम खान सहित कई जानी–मानी हस्तियां शामिल हैं। अब एक्टर रणवीर सिंह भी वोट डालने पहुंचे। उनके साथ प्रेग्नेंट बीवी दीपिका पादुकोण भी नजर आईं, जो भीड़ में बेबी बंप को प्रोटेक्ट करती दिखीं। उनके इस वीडियो पर फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण पोलिंग बूथ पर पहुंचे। दोनों ने सफेद रंग के कपड़ों की ट्यूनिंग की। पहली बार दीपिका का बेबी बंप साफ–साफ दिखा। मालूम हो कि दीपिका सितंबर महीने में यानी चार महीने बाद अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी। वोट डालने के बाद जैसे ही रणवीर और दीपिका पोलिंग बूथ के बाहर निकले, पपाराजी और उन्हें चाहने वालों की भीड़ जुट गई। ऐसे में रणवीर अपनी बीवी को बचाते हुए कार में बैठाते नजर आए। इससे पहले रणवीर ने अपनी वाइफ के लिए कार का दरवाजा खोला और उनका हाथ पकड़कर उन्हें नीचे उतारा। पोलिंग बूथ में जाती हुई दीपिका बेहद खुश नजर आईं। दीपिका और रणवीर के फैंस उनपर खूब प्यार बरसा रहे हैं।

कभी बढ़े वजन पर जूनियर एनटीआर को लोग कहते थे बदसूरत

जूनियर एनटीआर का जन्म 20 मई 1983 को फिल्म एक्टर और पॉलिटिशियन नंदमुरी हरिकृष्ण के घर हुआ। एक्टिंग की कला उन्हें विरासत में ही मिली थी क्योंकि पिता ही नहीं बल्कि उनके दादाजी और आंध्र प्रदेश के पूर्व चीफ मिनिस्टर एन. टी. रामा राव भी फेमस तेलुगु एक्टर और फिल्ममेकर रहे थे।

वजन को लेकर लोगों के बीच मजाक उड़ने लगा था

अपने वजन को लेकर लोगों के बीच मजाक बनने वाले एक्टर जूनियर एनटीआर ने ऐसा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया, जिसे देखकर दर्शक हैरान रह गए थे। इन दिनों वह ऋतिक रोशन के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म श्वॉर 2श से बॉलीवुड डेब्यू को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं।

8 साल की उम्र में मारी थी फिल्मों में एंट्री

जूनियर एनटीआर को 8 साल की छोटी उम्र में फिल्म ब्रह्मऋषि विश्वामित्र से बतौर चाइल्ड एक्टर शुरुआत की। अपने दादा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने राजा भरत का रोल निभाया था। इसके बाद 14 साल की उम्र में श्रामायणम्श में प्रभु श्रीराम का रोल निभाया और इस फिल्म को बेस्ट चिल्ड्रन फिल्म का नैशनल अवॉर्ड भी मिला।

लुक और वजन को लेकर लोगों ने किया जमकर ट्रोल

शायद काफी लोगों को ये न पता हो कि एक्टर ने कॉलेज की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पढ़ाई के दौरान कुचिपुड़ी डांस की ट्रेनिंग ली और फिर बतौर लीज हीरो निन्नु चूडालानी में नजर आए। साल 2001 में आई इस फिल्म में एक्टर केवल 18 साल के थे। इसी साल उनकी एक और फिल्म आई स्टूडेंट नंबर 1, जो हिट हुई। हालांकि, हैरानी वाली बात ये है कि साल 2006 में आई फिल्म राखी में उन्हें उनके लुक और वजन को लेकर जमकर ट्रोल किया गया। दरअसल इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उनका वजन बढ़कर 100 किलो तक पहुंच गया था।

पिता की मौत के बाद लंबा ब्रेक, आरआरआर से किया कमबैक

साल 2018 में उनके पिता की मौत के बाद उन्होंने करीब 4 साल का लंबा ब्रेक लिया और फिर डायरेक्टर राजामौली की फिल्म आरआरआर से कमबैक किया। इस फिल्म में भी अपने लुक के लिए एक्टर ने कड़ी मेहनत की और 6 पैक एब्स लुक में नजर आए। फिल्म आरआरआर साउथ की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में टॉप पर शामिल है।

फैन की मौत के बाद परिवार को लिया गोद

साल 2013 में फिल्म बादशाह को लेकर एक इवेंट रखा गया था, जिसमें भगदड़ मची थी और एक्टर के एक फैन की मौत हो गई थी। बताया जाता है कि उन्होंने उस फैन के परिवार को 5 लाख रुपये की मदद की थी और उस परिवार को गोद भी ले लिया था। एक्टर उस परिवार की जरूरतों का सारा खयाल रखते हैं।

जूनियर एनटीआर का नेट वर्थ

लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, जूनियर एनटीआर के नेट वर्थ की बात करें तो वह 450 करोड़ की सम्पत्ति का मालिक हैं। इसमें इन्वेस्टमेंट्स से हुई कमाई, कमर्शियल विज्ञापन और एक्टिंग से कमाई शामिल हैं। इन्हें यंग टाइगर ऑफ टॉलिवुड, पैन इंडिया स्टार जैसे नाम से भी उनके फैन्स बुलाया करते हैं। खबर है कि ऋतिक रोशन की फिल्म श्वॉर 2श के लिए एक्टर 50 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं।

उन्होंने अपनी ख्वाहिशें छोड़कर हमें सबकुछ दिया: करन वोहरा

इमली में डीजे बने एक्टर करन वोहरा ने सुनाया अपने बुरे दौर का किस्सा। कहा– पिता की मौत के बाद मां ने हमें अकेले पाला और अच्छे संस्कारों की डोर से बांधे रखा। उन्होंने कहा कि जहां पिता के बिना बच्चे बहक भी सकते हैं लेकिन मां ने उन्हें जोड़कर रखा।

मां की ममता और त्याग को टीवी ऐक्टर करन वोहरा गहरे से समझते हैं। कम उम्र में पिता के गुजर जाने के बाद अकेले मां ने ही उनकी और उनके छोटे–भाई बहनों की परवरिश की। अपनी ख्वाहिशों को भूलकर बच्चों की जरूरतें पूरी कीं। अच्छे संस्कारों की डोर से बांधे रखा, ताकि पिता की गैरमौजूदगी में बच्चे बहके नहीं। करन कहते हैं कि मेरी नजर में मां का ओहदा सबसे बड़ा है। यही वजह है कि शो मैं हूं साथ तेरे करने के लिए तुरंत तैयार हो गया। बीते दिनों करन लखनऊ आए तो हमने की उनसे ढेर सारी बातचीत।

मां के संस्कारों ने बहकने नहीं दिया

मां को लेकर जब भी सवाल आता है तो मैं फ्लैशबैक में चला जाता हूं। अच्छी तरह याद है, जब पिताजी गुजरे तो मेरी मां हाउस वाइफ थीं। मैं करीब 13–14 साल का था। उस वक्त इतनी समझ नहीं थी कि क्या हुआ और क्या हो रहा है। रातोंरात मां के कंधों पर भार आ गया। कोई आगे–पीछे था नहीं। उस वक्त बोलने को सब होते पर होने के लिए कोई नहीं होता। फिर किस तरह उन्होंने उन जिम्मेदारियों को निभाया। उन्होंने कोई कमी नहीं छोड़ी। पहले से बेहतर चीजें दीं। पढ़ाते–लिखाते तो हर मां–बाप हैं पर अच्छी परवरिश और संस्कार देना बड़ी बात है। पिता का साया जब नहीं होता तो बच्चे बहक भी सकते हैं लेकिन उनके संस्कारों ने हमें बांधे रखा। मैं सबसे बड़ा था। मेरे पीछे दो छोटे भाई–बहन थे। जो मैं करूंगा, वो उसी राह पर चलेंगे। देखने वाला कोई नहीं था। व्यस्तता के बीच भी उन्होंने हमें समेटकर रखा। आज हम यहां तक पहुंचे हैं तो उन्हीं की बदौलत। उनकी बस यही चाहत थी कि हमें सबकुछ अच्छा मिले और बेहतर इंसान बनें। उन्होंने अपनी ख्वाहिशें छोड़कर हमें सबकुछ दिया। यही स्ट्रगल मुझे अपने शो में भी नजर आया।

लखनऊ के सौरभ तिवारी की वजह से यहां हूं

मैं बिजनेस फैमिली से बिलॉन्ग करता हूं। हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर का बिजनेस है। मैं पहले इसी में था। लखनऊ से प्रोड्यूसर सौरभ तिवारी हैं। मैं आज यहां बैठा हूं तो सिर्फ उनकी वजह से। मुझे ब्रेक देने वाले वह पहले इंसान थे। मैंने सौरभ जी से कहा था कि पता नहीं मैं ऐक्टिंग कर पाऊंगा या नहीं, आपको मेरी मदद करनी होगी। उन्होंने मुझे स्टोरी सुनाई और कहा कि तुम्हें ये हिस्सा करना होगा।

गर्मियों में सोच–समझ कर खाएं अदरक, हो सकते हैं ये गंभीर नुकसान

अदरक एक मसाला है और इसका इस्तेमाल आयुर्वेद में औषधीय के तौर पर भी किया जाता है। बहुत से लोगों इसे हर मौसम में खाना पसंद होता है। इसके कई स्वास्थ्य फायदे भी हैं, लेकिन जैसा कि यह गर्म करता है, तो गर्मियों के मौसम में इसका अत्यधिक सेवन नुकसानदेह हो सकता है।

सर्दी की अपेक्षा गर्मी में अदरक की कम मात्रा में सेवन करना चाहिए। सर्दी में जैसे आप रोजाना इसका सेवन करते हैं, तो गर्मी में सप्ताह में 3 से 4 बार थोड़ी मात्रा में इसे लेना काफी है।अगर आप इसका रोजाना सेवन करना चाहते है, तो गर्मी में प्रतिदिन 1 से 2 ग्राम अदरक का सेवन काफी है। इस मात्रा में सेवन करने से आपको समस्या भी नहीं होगी और आप इसके लाभ भी उठा पाएंगे। अदरक के सेवन से होने वाले संभावित नुकसानों के बारे में जानें यहां।

डिहाइड्रेशन
अदरक की तासीर गर्म होती है, जिससे शरीर की गर्मी बढ़ सकती है और पसीना अधिक आ सकता है। इस कारण शरीर में पानी की कमी हो सकती है और इससे डिहाइड्रेशन की समस्या देखी जा सकती है।

पाचन की समस्याएं
अदरक का अत्यधिक सेवन पेट में अम्लता को बढ़ा सकता है, जिससे एसिड रिफ्लक्स और सीने में जलन अत्यधिक, पेट में जलन, अपच और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। गर्म मौसम में अदरक के अत्यधिक सेवन से आंतों में घाव भी हो सकता है।

एलर्जी
गर्मी में रोजाना अदरक खाने से कुछ लोगों में एलर्जी की समस्या भी देखी गई है। जिसके कारण त्वचा पर रैश, खुजली और गले में अंदर की तरफ एलर्जी हो सकती है।

लो ब्लड प्रेशर
अदरक का अत्यधिक सेवन कुछ लोगों में ब्लड प्रेशर को कम कर सकता है, जिसके कारण चक्कर आना और बेहोशी जैसी समस्या हो सकती है। लो ब्लड प्रेशर के मरीज गर्म मौसम में अदरक का सेवन करने से बचें।

हीट स्ट्रोक का खतरा
अदरक की तासीर गर्म होती है और इसका अत्यधिक सेवन गर्मियों में धूप में जाते समय इसका सेवन हीट स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ा सकता है। हीट स्ट्रोक एक गंभीर स्थिति है, जो तब होती है जब शरीर का तापमान बहुत अधिक बढ़ जाता है।

खर्राटे आना हर बार सामान्य नहीं, हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

कई लोगों को रात में सोते समय खर्राटे बहुत आते हैं। वैसे तो खर्राटे आना आम है, लेकिन यह हमेशा सही या सामान्य नहीं माना जाता। खर्राटे के विभिन्न कारणों से हो सकते हैं और यह कई बार अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकते हैं। अगर आप में खर्राटे आना का आने का कोई गंभीर कारण है, तो उसका समय रहते इलाज भी बहुत जरूरी है। खर्राटों की वजह से नींद में रुकावट होने से चिड़चिड़ापन होने लगता है, साथ ही खराब नींद का प्रभाव सेहत पर भी पड़ता है। जानिए खर्राटे आने के कारणों के बारे में।

खर्राटे क्यों आते हैं?
खर्राटे की समस्या होने पर सोते समय सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। खर्राटे, सोते समय श्वसन मार्ग में रुकावट के कारण उत्पन्न होने वाली ध्वनि है। ज्यादातर लोगों को ऐसा लगता है कि थकावट की वजह से खर्राटे आते हैं, लेकिन इसके और भी बहुत से कारण हो सकते हैं। जिन पर ध्यान देना आवश्यक है।

खर्राटे आने का क्या कारण
खर्राटे आने के लोगों में कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि नाक की हड्डी बढ़ जाना या मसल्स बढ़ जाने के कारण से भी सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा अन्य और भी कई कारण हैं, जैसे कि

■अत्यधिक वजन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■थकान
■नेजल मार्ग का छोटा होना
■अल्कोहल का अधिक सेवन
■स्लीप एपनिया
■कुछ लोगों में आनुवंशिक कारक देखे जाते हैं

खर्राटे की वजह से होने वाली स्वास्थ्य समस्याएं
■साइनस
■नाक से जुड़ी परेशानी
■ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया की शुरुआत
■एंग्जायटी
■टाइप–2 डायबिटीज की समस्या
■दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाना
■स्ट्रोक का खतरा

खर्राटे से बचाव के लिए इन बातों का ध्यान रखें
अगर आपको नोज ब्लॉकेज के कारण यह दिक्कत हो रही है, तो आपको इसके इलाज के लिए डॉक्टर से तुरंत मिलने की आवश्यकता है, ताकि समस्या आगे न बढ़े। मोटापे के शिकार लोगों को सबसे अपना अपना वजन कंट्रोल करने पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा एक्सरसाइज रोज करें, इससे यह इस समस्या को कंट्रोल किया जा सकता है।

ठंडा पानी, चिल्ड बियर...गर्मी में हार्ट अटैक लाकर छोड़ेंगी ये गलती

ज्यादा पसीना निकलने की वजह से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में खूब सारा तरल पदार्थ पीने से शरीर में पानी की कमी पूरी होगी और ब्लड प्रेशर अचानक कम होने से भी बचा जा सकेगा। इसलिए, गर्मी के दिनों में ठंडा रहना और शरीर में पानी की कमी न होने देना बहुत जरूरी है। अत्यधिक गर्मी में धूप में बाहर जाना आपके शरीर को अत्यधिक तापमान का सामना करने के लिए मजबूर कर सकता है, जो हृदय संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है। गर्मियों में अत्यधिक तली चीजें खाना आपके शरीर को अतिरिक्त वसा प्रदान कर सकता है, जिससे हृदय संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। गर्मियों में व्यायाम को छोड़ देना आपके हृदय के लिए हानिकारक हो सकता है। नियमित व्यायाम करने से हृदय की स्थिति में सुधार होती है और दिल के दौरे का खतरा कम होता है। गर्मियों में बहुत से लोग प्यास बुझाने के लिए अत्यधिक बियर पीते हैं जो हृदय के लिए अत्यधिक हानिकारक हो सकता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ठंडा पानी पीने से हमारे शरीर में तीव्र प्रतिक्रिया हो सकती है जो अक्सर कुछ ही सेकंड में दिल के दौरे जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है। यदि आपको पसीना आ रहा है तो आपको ठंडे पानी में जाने से बचना चाहिए और इसे पीने से पहले शरीर का तापमान सामान्य कर लें।

कोवैक्सिन से 2 साल बाद हो रही लोगों की मौत, करोड़ों की जा चुकी जान?

कोरोना वायरस के खिलाफ सुरक्षा के लिए बनाई गई दो वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सिन पिछले कुछ दिनों से चर्चा का विषय बनी हुई हैं। ऐसी खबरें हैं कि इन दोनों वैक्सीन के कई साइड इफेक्ट्स देखने को मिले हैं। कोविशील्ड को विदेशी कंपनी एस्ट्राजेनेका ने बनाया है और कोवैक्सिन को भारतीय कंपनी भारत बायोटेक ने बनाया है। कोरोना काल के दौरान भारत में इन्हीं दो वैक्सीन का इस्तेमाल किया गया था। कोरोना काल के चार साल बाद अब इन दोनों वैक्सीन के इफेक्ट्स बताए जा रहे हैं। कोविशील्ड को लेकर ब्लड क्लॉटिंग डिसऑर्डर होने की बात कही जा रही है जबकि कोवैक्सिन के बारे में सांस की समस्याओं सहित कुछ दुष्प्रभाव बताए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि भारत बायोटेक द्वारा विकसित कोविड–19 वैक्सीन कोवैक्सिन लेने से दो साल बाद मृत्यु हो सकती है। ये दावा पूरी तरह से गलत और भ्रामक है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कोवैक्सिन लेने के दो साल बाद दिल का दौरा या मृत्यु का खतरा बढ़ने से जुड़े किसी भी तरह के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं।

बॉडी को एसी वाली ठंडक देंगी ये चीजें, हीट स्ट्रोक–डिहाइड्रेशन से होगा बचाव

गर्मी का मौसम आते ही कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी साथ लाता है। गर्मी में पसीना ज्यादा आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिसे डिहाइड्रेशन कहते हैं। इससे सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, और पेशाब कम जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। हीट स्ट्रोक गर्मी से होने वाली सबसे गंभीर बीमारी है। यह तब होता है जब शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो जाता है। गर्मी में थकान एक आम समस्या है। यह तब होता है जब शरीर ठंडा करने के लिए ज्यादा मेहनत करता है। गर्मी से थकान के लक्षणों में कमजोरी, चक्कर आना, और सिरदर्द शामिल हैं। गर्मी में त्वचा संबंधी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं और दिल की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। गर्मियों में तरबूज आपको ताजगी और ताजगी का अनुभव कराता है। यह विटामिन सी, पोटैशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको गर्मियों में हाइड्रेटेड और संतुलित रखने में मदद करते हैं। गर्मियों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, क्योंकि यह आपको ताजगी और ताजगी प्रदान करता है और शरीर को हाइड्रेटेड रखता है। यह विटामिन, मिनरल्स और विशेष तत्वों का भंडार होता है जो शरीर के लिए आवश्यक होते हैं। छाछ या बटरमिल्क गर्मियों में आपको स्वस्थ और हाइड्रेटेड रखने में मदद कर सकती है।

अपनी फिटनेस पर दिया बयान

सीएसके टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने दुबई में हुए एक प्रोमोशनल इवेंट में कहा कि मेरे लिए सबसे मुश्किल रहा कि मैं पूरे साल भर क्रिकेट नहीं खेला और ऐसे में मेरे लिए फिट रहना काफी जरूरी था। एक बार आप आते है तो आप युवाओं को टक्कर देते है जो कि पूरी तरह से फिट है और इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे है। अगर आप खेलना चाहते है तो आपको फिट रहना पड़ेगा। उम्र वास्तव में आपको वह कृपा नहीं देती। तो, खान–पान की आदतें, थोड़ा प्रशिक्षण और ये सभी चीजें मौजूद हैं। सोशल मीडिया, शुक्र है कि मैं सोशल मीडिया पर नहीं हूं, इसलिए कम ध्यान भटकता है।

उम्र पर नहीं मिलता कोई डिस्काउंट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी ने आईपीएल 2024 के बीच युवाओं को एक खास संदेश दिया है। धोनी ने बताया है कि आईपीएल खेलने के लिए उम्र से ज्यादा आपकी फिटनेस मायने रखती है। साल 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके धोनी आईपीएल में सीएसके के लिए खेलते है। आईपीएल के 17वें सीजन में एमएस धोनी ने सीएसके की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया और उनकी जगह रुतुराज गायकवाड़ को टीम की कमान सौंपी गई। गायकवाड़ की कप्तानी में सीएसके की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी और 14 मैचों में 7 जीत के साथ उसका सफर अंक तालिका में पांचवें स्थान पर खत्म हुआ। इस बीच माही ने अपनी डाइट और ट्रेनिंग के बारे में विस्तार से बताया और ये भी कहा कि कैसे सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं होने से उन्हें मदद मिली। प्रोफेशनल स्पोर्ट आसान नहीं है और कोई भी आपको उम्र के हिसाब से डिस्काउंट नहीं देगा। इसके अलावा धोनी ने अंतरराष्ट्री क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अपनी जिंदगी में आए बदलवाों को लेकर भी कहा। धोनी ने कहा कि एक बार जब मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ दिया, तो मैं अपने परिवार के साथ कुछ और समय बिताना चाहता था।

हारते ही टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी आरसीबी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आज राजस्थान रॉयल्स से एलिमिनेटर में भिड़ना होगा

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अहमदाबाद। प्लेऑफ से बाहर होने की कगार पर पहुंचने के बाद सनसनीखेज तरीके से चौथे स्थान तक पहुंची रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आज शाम राजस्थान रॉयल्स से एलिमिनेटर में भिड़ना होगा। जो टीम हारेगी उसका आईपीएल में सफर खत्म हो जाएगा। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम बाकी मैदानों की तरह बल्लेबाजों की ऐशगाह नहीं है, लिहाजा यहां रॉयल्स के गेंदबाज उपयोगी साबित हो सकते हैं। यह वही मैदान है जहां कोलकाता नाइटराइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल का पहला क्वालीफायर होगा।

इस मैदान पर इस सत्र में 12 पारियों में सिर्फ दो बार 200 से पार का स्कोर बना है यानी अनुशासित गेंदबाजी करने वाली

टीम का पलड़ा भारी हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम की स्ट्रेट बाउंड्री की औसत लंबाई 75 मीटर और पिच से स्क्वैयर बाउंड्री की दूरी 60 मीटर है। किसी अच्छे दिन यहां 180 का स्कोर देखा जा सकता है। गेंदबाजों के नजरिए से उम्मीद है कि स्पिनर्स और सीम गेंदबाजों को पुरानी गेंद से कुछ मदद मिल सकती है, लेकिन ड्यू फैक्टर को नकारा नहीं जा सकता।

पहले आठ में से सात मैच हारने के बाद फाफ डु प्लेसी की टीम ने गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर प्लेआफ में जगह बनाई। आरसीबी के विराट कोहली इस सत्र में 14 मैचों में 708 रन बना चुके हैं और वह ट्रंपकार्ड साबित हो सकते हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसी भी फॉर्म में लौट आए हैं जबकि रजत पाटीदार ने भी पांच अर्धशतक जमाए हैं। इंग्लैंड के विल जैक्स के जाने का आरसीबी पर असर नहीं पड़ा है चूंकि निचले क्रम पर दिनेश कार्तिक 195 की स्ट्राइक रेट से अधिक से रन बना रहे हैं।

राजस्थान के खेमे में जोस बटलर के इंग्लैंड लौटने का फर्क उनकी बल्लेबाजी पर पड़ा है। अब यशस्वी जायसवाल (348 रन), कप्तान सैमसन (504 रन) और रियान पराग (531 रन) को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी। सैमसन और पराग के अलावा इंग्लैंड के टॉम होलेर कैडमोर से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी जो जायसवाल के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं। शिमरोन हेटमायेर निचले क्रम को मजबूती दे सकते हैं हालांकि अभी तक बल्ले से इस सत्र में कमाल नहीं कर सके हैं।

सीएसके की बर्बादी का सबसे बड़ा कारण है यह खिलाड़ी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स ने आगाज दमदार किया था, लेकिन आखिरी में ऐसी हालत हुई कि रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु से हारकर आईपीएल 2024 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। महेंद्र सिंह धोनी रांची लौट चुके हैं और अपने शहर में बाइक दौड़ाते नजर आए। माना जा रहा है कि पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने अपना आखिरी मैच खेल लिया है। हालांकि, उन्होंने रिटायरमेंट का ऐलान नहीं किया। अब जब टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है तो उसके चाहने वालों और टीम मैनेजमेंट के लिए रिव्यू का समय है। ओवरऑल देखेंगे तो टीम का प्रदर्शन उस तरह का नहीं रहा, जिस तरह की उम्मीद थी या जितना उसके प्लेयर्स में दम था। टीम में सबसे अधिक पैसे पाने वाले प्लेयर्स में शामिल दीपक चाहर ने टूर्नामेंट में आखिरी बार 1 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मुकाबले में खेला था।

भारतीय टीम को सबसे ज्यादा कमी रिंकू सिंह की खलेगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम इस बार टी20 वर्ल्ड कप में खेलने जाएगी तो उसका इरादा 11 साल का आईसीसी खिताबी सूखा समाप्त करने का होगा। रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम करना चाहेगी। भारतीय खिलाड़ी अलग–अलग दिन अमेरिका के लिए रवाना होंगे।

आगामी टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपनी राय रखी है। हरभजन सिंह ने कहा कि भारतीय टीम को आगामी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा कमी रिंकू सिंह की खलेगी। बता दें कि रिंकू सिंह को प्रमुख स्क्वाड में जगह नहीं मिली है। उन्हें रिजर्व में शामिल किया गया है।

■ दिग्गज क्रिकेटर हरभजन सिंह का बेबाक बयान

इसके साथ ही भज्जी ने कहा कि चार स्पिनर्स शामिल करना उनकी समझ से परे है।

हरभजन सिंह ने कहा, वर्ल्ड कप टीम चुनी जा चुकी है। बल्लेबाजी अच्छी है। मेरे ख्याल से हमारे पास एक तेज गेंदबाज कम है। मेरे ख्याल से हमें एक खिलाड़ी की कमी खलेगी, वो है रिंकू सिंह। वो ऐसा खिलाड़ी है, जो अकेले के दम पर मैच जिता सकता है। वो 20 गेंदों में 60 रन का लक्ष्य हासिल कर सकता है। मेरे ख्याल से चार स्पिनर्स चुनना भी ज्यादा हो गया। तीन स्पिनर्स काफी थे। मैं भारतीय टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वो ट्रॉफी जीते।

भज्जी को नहीं लगता कि भारतीय टीम एक मैच में चारों स्पिनर्स के साथ मैदान संभालेगी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हम एक भी मैच में चारों स्पिनर्स को खिलाएंगे। रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल की तिकड़ी खेल सकती है। मगर परिस्थितियों पर निर्भर करेगा कि किस तरह की टीम खेलेगी

हरभजन सिंह ने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम 9 जून को हाई वोल्टेज मैच में पाकिस्तान को मात देगी। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि भारतीय टीम पाकिस्तान को हरा देगी। भारत का पाकिस्तान के खिलाफ ट्रैक रिकॉर्ड शानदार है और अपनी टीम भी दमदार है। पंत की वापसी में कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहिए।

न्यूज डायरी

गौतम गंभीर ने बताया कि चयनकर्ता के पैर नहीं छूने से उन्होंने क्या भुगता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। हर क्रिकेटर का एक बुरा समय भी होता है, जिसे सभी खिलाड़ी स्वीकार करते हैं। मगर कोई खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के बावजूद बुरा समय झेले तो इसके बारे में क्या ही कहेंगे। भारतीय टीम के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर का करियर शानदार रहा, लेकिन उन्होंने भी काफी बुरी चीजों का सामना किया है। गंभीर ने रविचंद्रन अश्विन के शो पर अपने करियर से जुड़ा बड़ा खुलासा किया। गंभीर ने बताया कि जब वो बड़े हो रहे थे तब सेलेक्टर के पैर नहीं छुए तो टीम से बाहर हो गए। अश्विन के यूट्यूब शो कुट्टी स्टोरीज पर बातचीत करते हुए गंभीर ने कहा, जब मैं बड़ा हो रहा था, शायद 12 या 13 साल का था। तब मैंने पहली बार अंडर–14 टूर्नामेंट के लिए ट्रायल दिए, लेकिन चयन नहीं हुआ क्योंकि मैंने सेलेक्टर के पैर नहीं छुए थे। तब से मैंने अपने आप से वादा किया कि मैं किसी के पैर नहीं छुउंगा और न किसी को अपने पैर छूने दूंगा। गौतम गंभीर ने बताया कि जब भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो परिवार का जिक्र करके उन पर अलग तरह का दबाव बनाया गया। गंभीर ने कहा, मुझे याद है। मेरे करियर में जब भी मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं होता तो लोग कहते कि तुम अच्छे परिवार के हो। तुम्हें क्रिकेट खेलने की जरुरत नहीं। तुम्हारे पास कई विकल्प हैं। तुम पिता के बिजनेस से जुड़ जाओ। उन्होंने साथ ही कहा, यही सबसे बड़ा विचार बनकर मेरे सिर पर लटकता था। मैं सोच को हराना चाहता था। जब मैं ऐसा कर पाया तो अन्य किसी सोच से मैं परेशान नहीं हुआ।

आईपीएल में तूफानी प्रदर्शन करने वाले धांसू बल्लेबाज की किस्मत चमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जैक फ्रेजर मैकगर्क को आखिरकार ऑस्ट्रेलियाई टीम में मौका मिल ही गया। आईपीएल 2024 में अपने बल्ले से गेंदबाजों के मन में खौफ भरने वाले जैक फ्रेजर मैकगर्क को ऑस्ट्रेलिया ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल किया है। मैकगर्क के अलावा रिजर्व खिलाड़ी के रूप में स्पिनर मैट शॉर्ट को भी शामिल किया गया है। पता हो कि जैक फ्रेजर मैकगर्क ने आईपीएल 2024 में तूफानी प्रदर्शन किया। दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले मैकगर्क ने केवल 9 मैचों में 330 रन बनाए, जिसमें उनकी स्ट्राइक रेट 234.04 की रही। याद दिला दें कि ऑस्ट्रेलिया ने जब टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए शुरुआती स्क्वाड की घोषणा की थी, तब जैक फ्रेजर मैकगर्क को शामिल नहीं किया था। तब यह कहा गया था कि युवा खिलाड़ी अभी टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बातचीत में कहा कि जैक फ्रेजर मैकगर्क अंतिम–15 में जगह पाने के गंभीर दावेदार थे। उन्होंने कहा कि मैकगर्क को टॉप–15 में इसलिए नहीं चुना गया क्योंकि दिग्गज खिलाड़ियों से टॉप ऑर्डर भरा है, जिसमें डेविड वॉर्नर, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन जैसे नाम शामिल हैं। उन्होंने तूफान खड़ा किया और निर्णायक 15 में जगह पाने की मजबूत दावेदारी ठोकी।

विराट कप्तान नहीं है, अंपायर से बहस नहीं करनी चाहिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और सीएसके के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि विराट कोहली को खेल के बीच में अंपायर के साथ बातचीत नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अब वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान नहीं हैं। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु अपने शुरुआती आठ मैच में सिर्फ एक जीत के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे थी। इसके बाद आरसीबी लगातार छह जीत हासिल करते हुए आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जगह बनाने में कामयाब हो गई। मैथ्यू हेडन ने आरसीबी और सीएसके के मैच के दौरान स्टार स्पोर्ट्स के शो पर कहा, विराट कोहली की ओर से मैदान पर बहुत ज्यादा हस्तक्षेप होता है। वह कप्तान नहीं हैं और उन्हें अंपायर के साथ बातचीत में शामिल नहीं होना चाहिए। विराट कोहली इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। मैथ्यू हेडन ने विराट कोहली की जबरदस्त फॉर्म पर कहा कि, श्वह जिस तरह की फॉर्म में हैं, उसमें वह अपने आईपीएल 2016 के प्रदर्शन से काफी आगे निकल सकते हैं इसलिए किसी भी चीज से ज्यादा मुझे लगता है कि यह ऊर्जा और खेल के प्रति प्यार, जुनून, इसके लिए प्रतिबद्धता है। कोहली इस गेम से प्यार करते हैं। यह पागलपन है।

पेज थ्री देहरादून

नारायण के पांचों धाम के दर्शन का पुण्य कर सकते है श्रद्वालु।

देहरादून, बुधवार, 22 मई 2024

पेज 8

हमारा दून

तीर्थ यात्रियों के साथ न हो किसी तरह की जालसाझी एवं धोखाधड़ी

निरीक्षण

■ प्रभारी सचिव ने तीर्थ यात्रियों से वार्ता कर यात्रा व्यवस्थाओं की जानकारी ली

संवाददाता

देहरादून। श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम, सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो इसके लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का जनपद भ्रमण पर पहुंचे सचिव स्वास्थ्य एवं प्रभारी सचिव यात्रा डॉ. आर राजेश कुमार ने संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि चारधाम में जो भी श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के लिए मुख्यमंत्री निरंतर प्रयासरत हैं ताकि आने वाले श्रद्धालुओं की चारधाम यात्रा सुगम एवं मंगलमय हो तथा वह अपने साथ उत्तराखंड से सुखद अनुभव लेकर जाएं। इसी उद्देश्य से यात्रा

के लिए की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है ताकि जिला स्तर पर जो सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है उसका तत्काल संज्ञान लेते हुए शासन स्तर से उस व्यवस्था एवं सुविधा का तत्काल उपलब्ध कराया जा सके। जिससे कि तीर्थ यात्रियों को कोई असुविधा एवं परेशानी न हो।

उन्होंने अभिहीत अधिकारी खाद्य सुरक्षा को निर्देश दिए हैं कि केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों से ओवर रेटिंग न हो इसके लिए सभी दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट व ढाबों में रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा किया जाए। इसके साथ ही खाद्य सामग्री में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने यात्रा मार्ग में संचालित हो रहे घोड़े–खच्चरों की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन को निर्देश दिए हैं कि किसी भी घोड़े–खच्चर के साथ किसी भी प्रकार से कोई पशु–क्रूरता न हो तथा किसी भी दशा में घोड़े–खच्चरों से डबल चक्कर न लगाए जाएं। उन्होंने यात्रा मार्ग से लेकर केदारनाथ धाम तक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए तथा जो भी शौचालय एवं यात्रा मार्ग में नियमित सफाई व्यवस्था होती रहे जिससे कि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।

उन्होंने यात्रा मार्ग से लेकर केदारनाथ धाम तक पेयजल व्यवस्था एवं विद्युत व्यवस्था को दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग एवं केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं को पेयजल की कोई समस्या न हो इसके लिए संबंधित विभाग गंभीरता से कार्य करें। विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर इसका तत्काल जो भी फॉल्ट विद्युत लाइन पर आता है उसका मरम्मत कार्य शीघ्रता से करते हुए विद्युत आपूर्ति त्वरित सुचारू किया जाए जिससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न होने पाए। उन्होंने नोडल अधिकारी हेली को निर्देश दिए हैं कि किसी भी यात्री के साथ कोई धोखाधड़ी एवं जालसाझी न हो इस पर कड़ी निगरानी रखी जाए एवं किसी भी दशा में ओवर रेटिंग श्रद्धालुओं से न हो इसकी निरंतर निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए। यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने पाया कि जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा यात्रा व्यवस्थाओं के लिए की गई तैयारियों की प्रशंसा की।

यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था का किया जाए उचित प्रबंधन

सिरोहबगड़ से सोनप्रयाग तक विभिन्न यात्रा पड़ावों का सड़क मार्ग से निरीक्षण करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग को निर्देश दिए हैं कि जो क्षेत्र स्लाडिंग जोन हैं उनमें जेसीबी मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो तथा यात्रा मार्ग बाधित होने पर उसे तत्काल आवाजाही हेतु सुचारू किया जा सके। उन्होंने केदारनाथ यात्रा पड़ाव सीतापुर, सोनप्रयाग आदि स्थानों में पार्किंग फुल होने पर यातायात को पीछे ही रोका जाए ताकि जाम की स्थिति न होने पाए।

संक्षिप्त समाचार

यात्रियों के ऑफलाइन पंजीकरण को शीघ्र शुरू करवाए सरकार

संवाददाता ऋषिकेश। 31 मई तक चारधाम यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण बंद किए जाने पर संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति ने मंगलवार को कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था 50–50 प्रतिशत निर्धारित करने और ऑफलाइन पंजीकरण अतिशीघ्र शुरू करने की मांग की। इस संबंध में मंगलवार को संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजा। समिति के अध्यक्ष नवीनचंद रमोला ने कहा कि प्रत्येक वर्ष चारधाम यात्रा के लिए सरकार परिवहन व्यवसायियों से सुझाव आमंत्रित करती रही है। यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश के समय से चली आ रही है।

परवादून बार एसोसिएशन ने जनमत संग्रह अभियान चलाया

संवाददाता ऋषिकेश। नैनीताल हाईकोर्ट को ऋषिकेश में स्थानान्तरित किए जाने को लेकर परवादून बार एसोसिएशन ने मंगलवार को जनमत संग्रह अभियान चलाया, जिसमें विभिन्न संगठन से जुड़े लोगों ने अपनी राय रखी। विकासखंड डोईवाला के सभागार में परवादून बार एसोसिएशन द्वारा जनमत संग्रह अभियान चलाया गया। एसोसिएशन के सचिव मनोहर सिंह सैनी ने कहा कि नैनीताल हाईकोर्ट बहुत ही संकरी जगह पर चल रहा है। ऋषिकेश का आईडीपीएल हाईकोर्ट के लिए उचित स्थान है।

डीएवी में छात्रों को दी कानूनों की जानकारी

संवाददाता देहरादून। डीएवी पीजी कॉलेज के विधि विभाग की ओर से भोपालपानी में मंगलवार को एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं को विभिन्न कानूनों की जानकारी दी गई। शिविर में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि सरल और सभ्य समाज के लिए सभी को कानून की जानकारी होनी चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विवेक त्यागी ने बताया, शिविर में छात्र–छात्राओं ने विधि के विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखें।

मोहम्मद कैफ बना ओवर आल चैंपियन, जीता गोल्ड

संवाददाता देहरादून। ऋषिकेश सनराइज बैंकेट लॉन में हुई स्ट्रांगमैन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता जिसमें अंडर–90 श्रेणी के खेमें मे ग्राफिक एरा के छात्र मोहम्मद कैफ ने अपना जलवा बिखेरा जिसमें उन्होंने 55 केजी के भारी डंबल को 30 सेकंड में एक हाथ से 7 बार सर से उपर उठाया। साथ ही 205केजी टायर डेडलिफ्ट को 30 सेकंड मे 15 बार उठाया। 200केजी को उठाकर चलकर 200 मीटर की फार्मर वाक को 50 सेकंड मे पूरा करके ओवर आल खिताब अपने नाम किया।

तीन नए आपराधिक कानूनों के लिए उत्तराखंड की तैयारी पूरी

तैयारी

■सभी राज्यों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सीएस ने दी जानकारी

संवाददाता

देहरादून। 1 जुलाई 2024 से देशभर में लागू होने वाले तीन नए आपराधिक कानूनों के लिए उत्तराखंड की तैयारी पूरी हो चुकी है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने मंगलवार को गृह सचिव भारत सरकार की अध्यक्षता में सभी राज्यों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में यह जानकारी दी कि 1 जुलाई 2024 से लागू होने वाले 3 नए आपराधिक कानूनों भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय सुरक्षा अधिनियम 2023 हेतु

उत्तराखंड राज्य ने पूरी तैयारी कर ली है।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि नये आपराधिक कानूनों के पास होने के बाद हमारे द्वारा सीडीटीआई और बीपीआरएडंडी से समन्वय स्थापित कर पीटीसी–एटीसी तथा अन्य प्रशिक्षण केन्द्रों से 50 अधिकारियों को गाजियाबाद और जयपुर से मास्टर ट्रेनर का कोर्स कराया गया है । इसके अतिरिक्त 18 P-O-s को भी मास्टर ट्रेनर के रूप में ट्रेनिंग हेतु त्वचम पद किया गया है। साथ ही उत्तराखंड पुलिस हस्तपुस्तिका तैयार की गई है, जिसके आधार पर सारे कोर्स का संचालन किया जा रहा है इसमें वृहद कानूनों को सरल तरीके से पढ़ने की विधि तैयार की गई है। जिसकी एक प्रति समस्त पुलिस अधिकारीध्कर्मचारियों को वितरित की जा रही है। (कुल 25000 हस्त पुस्तिका वितरित की जा रही है। आनलाइन प्रशिक्षण हेतु 03 माडयूल तैयार किये जा रहे है।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि आरटीसीं संचालित नागरिक पुलिस/पीएसी के लगभग 1000 रिक्रूट आरक्षियों को 03 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसके अतिरिक्त लगभग 500 मुख्य आरक्षियों को पदोन्नति हेतु भी नये आपराधिक कानूनों का प्रशिक्षण दिया गया है।

बाल आयोग ने स्कूल को दिए फीस लौटाने के निर्देश

संवाददाता देहरादून। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग में मंगलवार को स्कूलों की शिकायत पर सुनवाई हुई। जिसमें आयोग अध्यक्ष डा. गीता खन्ना ने सुनवाई के बाद कई जरूरी निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान सेंट मेरी स्कूल विकासनगर के खिलाफ आरटीई में दाखिले पर फीस लेने के मामले में स्कूल से जवाब मांगा गया। स्कूल की ओर से कहा गया कि उन्हें आरटीआई की जानकारी नहीं थी। जिस कारण फीस ली गई। ऐसे में स्कूल को फीस लौटाने के निर्देश दिए। वहीं स्कूल में दाखिले के दस्तावेजों में अनियमितता पर खंड शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं दून वैली स्कूल विकासनर की ओर से दिए गए दस्तावेजों की जांच के निर्देश आयोग ने दिए। इसके अलावा अगली सुनवाई में स्कूल प्रबंधन को भी बुलाया गया। वहीं पुरोला में निजी स्कूल की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के मामले में प्रधानाचार्य ने आयोग को बताया कि आरोपी शिक्षक को हटा दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।